



KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

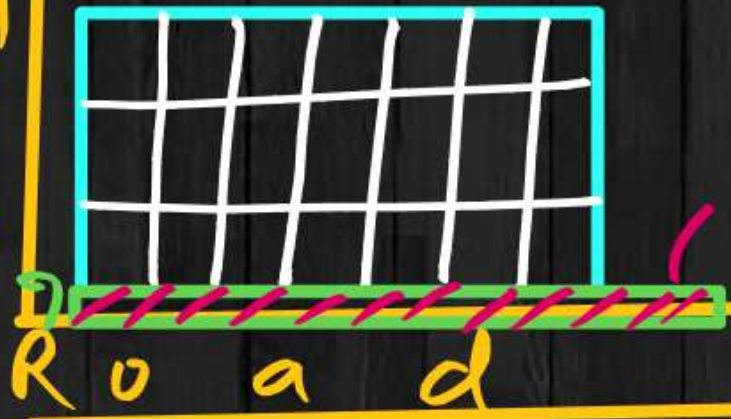
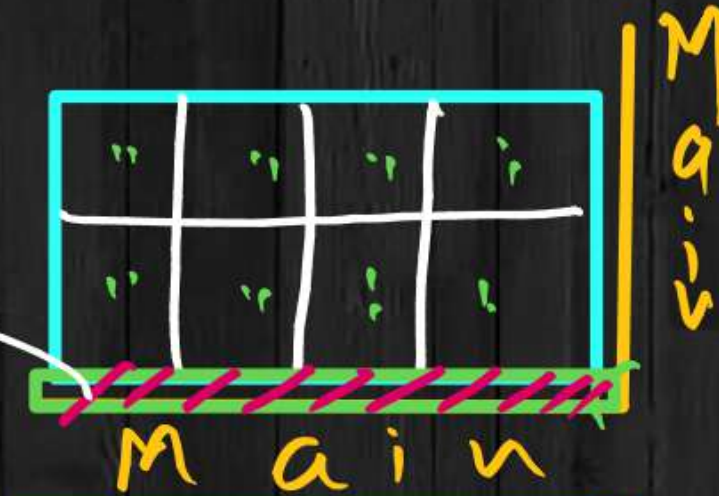
LIVE CLASSES



BY-AMARENDRA SRIVASTAV SIR

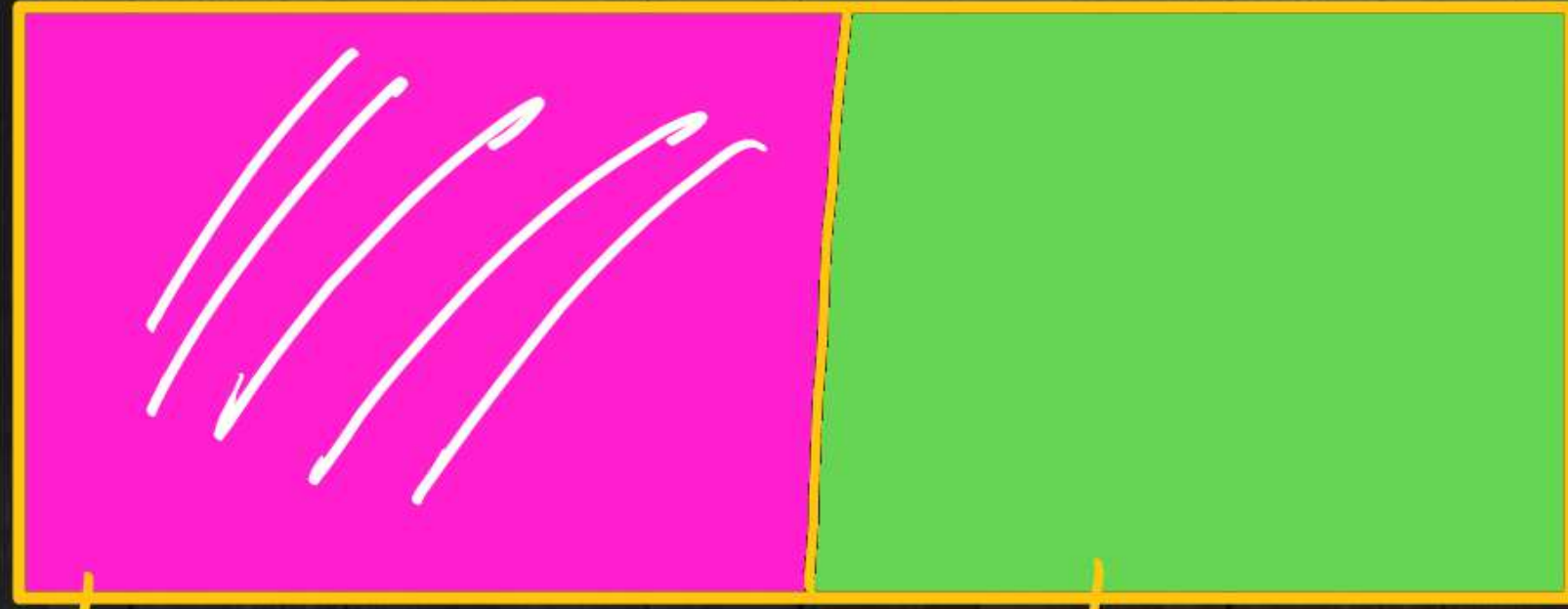
Imp. Town Planning of Indus Valley Civilization.
(सिंधुघाटी सभ्यता का नगर नियोजन)

नालिया
टकी
दुपरी



प्रवेश

शुद्धिकारीको



कोर

Western Part

Eastern Part (Lower Town)

Citadel (दुर्ग/किला/शहर)

दोरेवर

Rich people (अमीर लोग)

मजदूर (workers)

Ruler
(शासक)

Priest (पुरोहित)

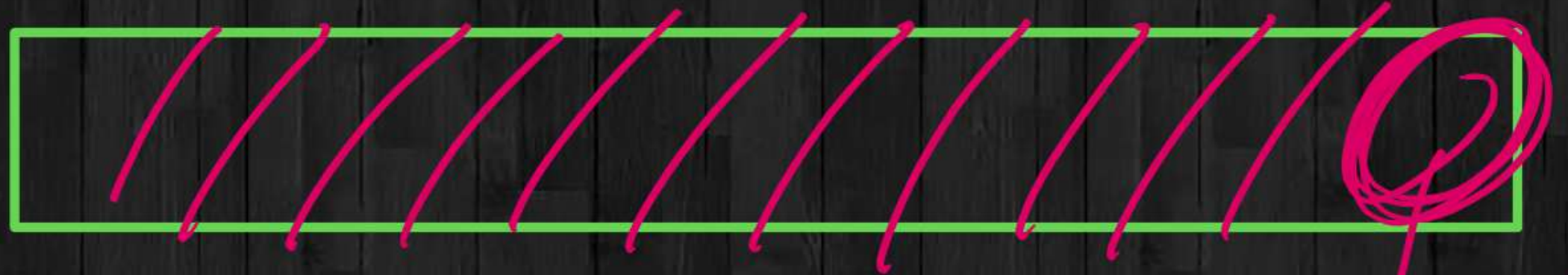
Merchant (ब्यापारी)

* Chanhudaro:- City without Citadel.
(चन्हूदरो) (विना दुर्ग वाला शहर)

* Dholavira:- → divided into 3 Part.
(धौलावीर)



मालिका:- ४वीं दुपरी। - उत्तर जल प्रणाली



ई २ (Bricks):- Burnt Bricks
(पकी ईंटें)

Ratio (अनुपात):- 4:2:1

कच्ची ईंटों का प्रयोग:- साली बंगा

10.25:5:2.25

सामान्य ईंट

सफाई
होना है

* 1st Indian Urban Civilization.
(पहली नगरीय सभ्यता)

* Town based on Grid System / Chessboard System.
(शहर जालनुमा पद्धति या शतरंजीय व्यवस्था पर
आधारित था)

* City divided into 2 Part :-

① Upper town (उपरी शहर)

→ आधिकारिक शाहरीकरण
| बड़े-बड़े घर
| पुरोहित, व्यापारी, शासक का
निवास

② Lower Town (निचला नगर)

- ५ आसिक
- ५ छोटे घर
- ५ कम नगरीकरण

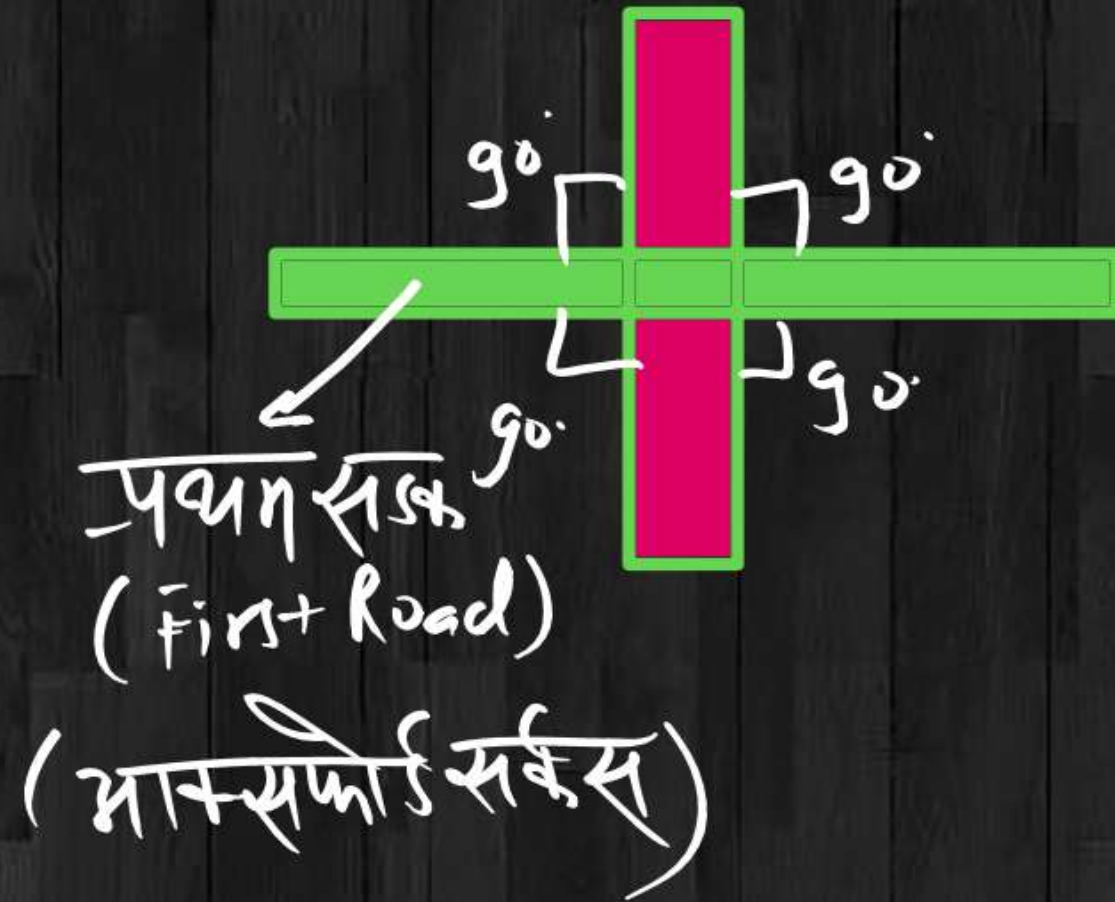
उदाहरण :-

- धौलावीरा (Dholavira) → divided into 3 Part
- ५ चण्हूदरो (Chanhudaro) → city without citadel.

सड़क:- एक दूसरे को समकोण पर काटते हैं।
(Road)

प्रमुख सड़क (Main Road):- From East to West.
(पूर्व से पश्चिम)

North to South.
(उत्तर से दक्षिण)



नालिया / जननिकासी व्यवस्था (Drainage system):

↳ Advance (उन्नत)

↳ Covered (ढकी) $\Rightarrow$ Burnt Bricks (पकी ईंटें) / Stone (पत्थर)

↳ Made up of Gypsum & Lime.

(जिप्सम और चूने से निर्मित)

↳ घर पानी मोरियों द्वारा निकल कर नली में गिरता था।

↳ उदाहरण: - Harappa (हरप्पा)

(Example) ↳ Mohenjodaro (मोहन जोदरो)

ईंट (Bricks)

पकी ईंटें (Burnt Bricks) - सर्वाधिक

कच्ची ईंटें (Mud Bricks) - कम

↳ Kalibangan (कालीबंगा)

↳ Rangpur (रांगपुर)

ईंटों का अनुपात $\rightarrow 4:2:1$

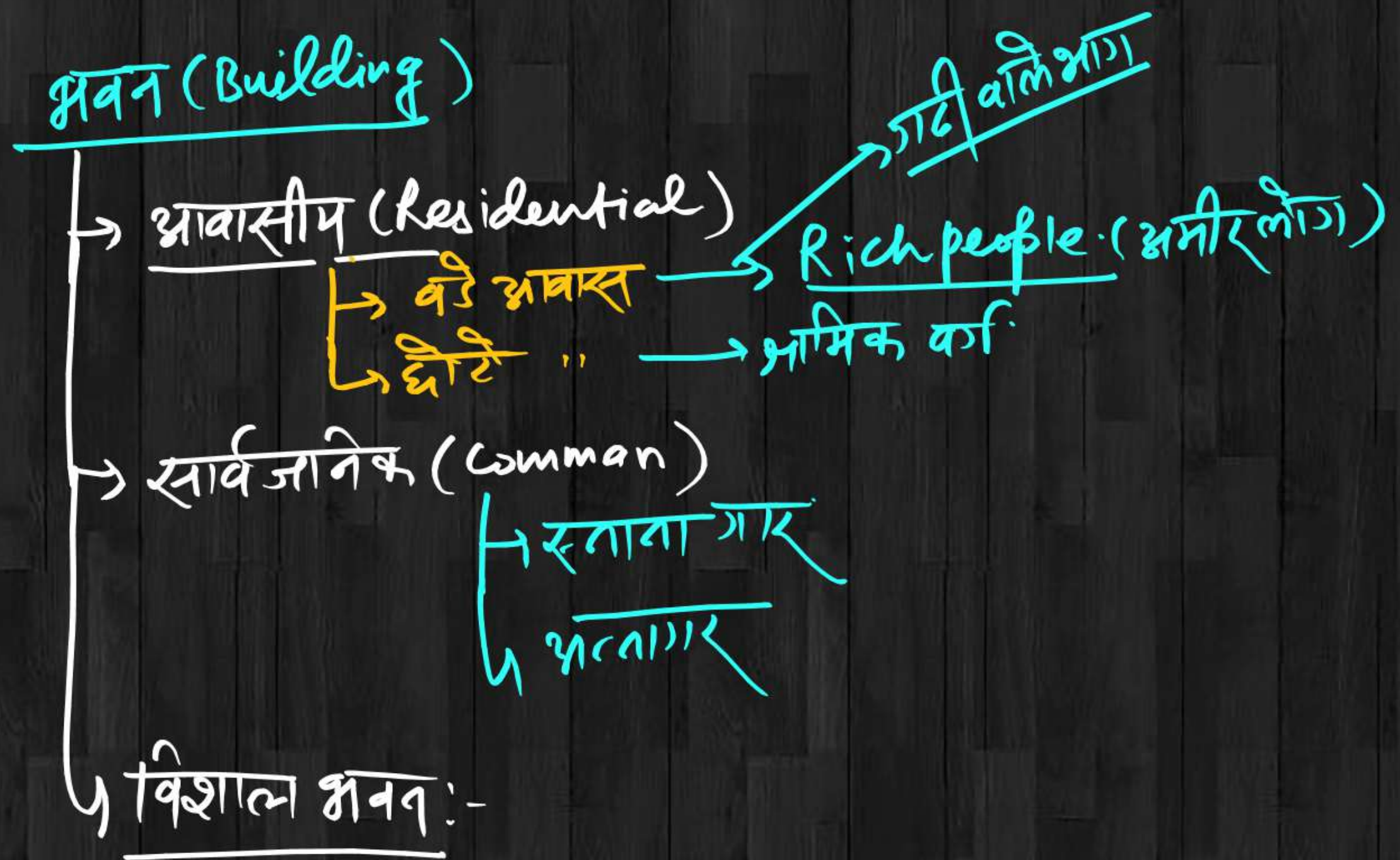
(Ratio of Bricks)

सामान्यतः ईंट :- 10.25 - लम्बाई

(Normal Bricks) 5 - चौड़ाई

वै ईंट नालियाँ को ढकने में प्रयोग होता था।

2.25 - मोटाई



→ भवन दो मंजिला भी होते थे उपर जाने के लिए
सीढ़ियाँ होती थी।

→ घर में कमरों की संख्या 2 से लेकर 30 तक देखने
को मिलता था।